SarkariExam.Com

अपडेट सबसे पहले

अब घंटो पढ़ने की जरूरत नहीं, मात्र कुछ मिनटों मे ही लीजिये General Knowledge की जानकारी – और रहिए अपडेट ॥ अब से हर रोज SSC MTS और Exam के लिए के General Knowledge के महत्वपूर्ण प्रश्नों की अपडेट हम आपको देंगे, जो करेंगे मदद आपके सभी Exams मे और आपका सरकारी नौकरी पाने का सपना होगा सच ॥

Special 20 Questions for General Knowledge

22/08/2019

Ancient History

1. मिलिंदपान्हो क्या है?

(a) बौद्ध स्थल (b) बुद्ध का एक नाम

(c) कला का बौद्ध नाम (d) बौद्ध पाठ

S.S.C. संयुक्त स्नातक स्तरीय (Tier-I) परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

मिलिंदपान्हो एक बौद्ध पाठ या ग्रंथ है, जो इंडो-ग्रीक शासक मिनेण्डर एवं बौद्ध भिक्षु नागसेन के संवाद के रूप में रचित है।

2. चरक किसके राजचिकित्सक थे?

(a) हर्ष (b) चंद्रगुप्त मौर्य

(c) अशोक (d) कनिष्क

S.S.C. (डाटा एंट्री ऑपरेटर) परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

चरक, कनिष्क के राजचिकित्सक थे। इन्हें 'चिकित्सा का जनक' कहा जाता है। इन्हें चिकित्सा की प्रत्येक विधा पर समान अधिकार था। इन्होंने चिकित्साशास्त्रीय ग्रंथ 'चरक संहिता' की रचना की।

3. कुषाण काल में भारतीय और ग्रीक शैली के मिश्रण से विकसित कला विद्यालय को किस नाम से जाना जाता है?

(a) कुषाण कला (b) फारसी कला

(c) गांधार कला (d) मुगल कला

S.S.C. मल्टी टॉस्किंग परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

4. कौन-सी कला ग्रीको-बौद्ध कला के नाम से भी जानी जाती है?

(a) गांधार कला (b) मथुरा कला

(c) शुंग कला (d) मधुबनी कला

S.S.C. ऑनलाइन मैट्रिक स्तरीय (T-I) 16 सितंबर, 2017 (I-पाली)

उत्तर—(a)

गांधार शैली भारतीय और यूनानी कला की सम्मिश्रण शैली है। इस कला शैली के प्रमुख संरक्षक शक एवं कुषाण थे। इस कला का विषय मात्र बौद्ध होने के कारण इसे 'यूनानी बौद्ध' (Greeco-Buddhist), इंडो-ग्रीक (Indo-Greek) या ग्रीको रोमन (Greeco-Roman) भी कहा जाता है।

5. कुषाण वंश के प्रसिद्ध राजा का नाम बताइए?

(a) कनिष्क (b) पुलकेशिन

(c) हर्ष (d) विक्रमादित्य

S.S.C. मल्टी टॉस्किंग परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

कुषाण वंश का प्रसिद्ध शासक कनिष्क था। इसके राज्यारोहण की तिथि 78 ई. भारत में शक संवत् की सूचक है।

6. कनिष्क किस वर्ष में राज्य सिंहासन पर आरूढ़ हुए?

(a) 108 ई. (b) 78 ई.

(c) 58 ई. (d) 128 ई.

S.S.C. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तरीय परीक्षा, 2011

उत्तर—(b)

7. शक संवत् किसने और कब शुरू किया था?

(a) कादफिसिस ने 58 ई. पू. में

(b) रूद्रदामन प्रथम ने 78 ईस्वी में

(c) विक्रमादित्य ने 58 ई.पू. में

(d) कनिष्क ने 78 ईस्वी में

S.S.C. Tax Asst. परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

शक संवत् का संस्थापक कनिष्क था। कनिष्क द्वारा इसे 78 ई. में प्रारंभ किया गया था।

8. बौद्ध धर्म का संरक्षक कुषाण शासक कौन था?

(a) कौटिल्य (b) अशोक

(c) विक्रमादित्य (d) कनिष्क

S.S.C.संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तरीय परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

बौद्ध धर्म का संरक्षक कुषाण शासक कनिष्क था। उसके शासन काल में कश्मीर के कुण्डल वन नामक स्थान पर चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान वसुमित्र ने की थी तथा अश्वघोष इसके उपाध्यक्ष बनाए गए। कनिष्क के समय बौद्ध धर्म दो संप्रदायों में बंट गया- हीनयान तथा महायान।

9. निम्नलिखित साहित्यिक कृतियों का उनके लेखकों के साथ मिलान करिए–

A. कविराजमार्ग	**1.महावीराचार्य**
B. आदिपुराण	**2.सकटायन**
C. गणितसारास्मगृह	**3. अमोघवर्ष**
D.अमोघव्रिथी	**4. जिनसेन**

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	3	4	2	1
(b)	4	3	1	2
(c)	3	4	1	2
(d)	2	1	3	4

S.S.C. C.P.O. परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

सही सुमेलित हैं–

साहित्य		**लेखक**
कविराजमार्ग	–	अमोघवर्ष
आदिपुराण	–	जिनसेन
गणितसारास्मगृह	–	महावीराचार्य
अमोघव्रिथी	–	सकटायन

10. निम्न के जोड़े बनाइए—

(A) विक्रम संवत्	**—**	**1. 248 A. D.**
(B) शक संवत्	**—**	**2. 320 A. D.**
(C) कलचुरी संवत्	**—**	**3. 58 B. C.**
(D) गुप्त संवत्	**—**	**4. 78 A. D.**

(a) A1, B2, C3, D4

(b) A3, B4, C1, D2

(c) A4, B3, C2, D1

(d) A2, B1, C4, D3

S.S.C. संयुक्त स्नातक स्तरीय (Tier-I) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

11. कला की गांधार शैली किसके शासनकाल में पनपी थी?

(a) हर्ष (b) अशोक

(c) कनिष्क (d) चंद्रगुप्त द्वितीय

S.S.C. मैट्रिक स्तरीय परीक्षा, 2006

उत्तर—(c)

कुषाण काल (मुख्यत: कनिष्क के समय) के दौरान मूर्तिकला की गांधार शैली, भारत-ग्रीक (यूनानी) शैली का मिश्रण है। इसका केंद्र बिंदु गांधार था। अत: इसे गांधार कला शैली भी कहा जाता है। इसमें बुद्ध एवं बोधिसत्वों की मूर्तियां काले स्लेटी पाषाण से बनाई गई हैं।

12. प्राचीन काल में निम्नलिखित में से कौन कलिंग का एक महान शासक था?

(a) अजातशत्रु (b) बिंदुसार

(c) खारवेल (d) मयूरशर्मन

S.S.C. मैट्रिक स्तरीय परीक्षा, 2006

उत्तर—(c)

प्राचीन काल में खारवेल कलिंग का एक महान शासक था। इसके बारे में हमारी जानकारी का मुख्य स्रोत हाथीगुम्फा अभिलेख है। यह द्वितीय सदी ई.पू. में शासक हुआ था तथा इसका संबंध कलिंग के चेदि वंश से था। इसने अनेक विजयें प्राप्त कीं, जिनमें मगध के शासक बृहस्पति मित्र तथा दक्षिण के सातवाहन शासक शातकर्णी पर विजयें प्रमुख हैं। यह जैन तीर्थंकर की मूर्ति को मगध से कलिंग ले जाने में सफल रहा। इसने कृषि हेतु नहरों का निर्माण करवाया तथा प्राची नदी के दोनों तटों पर महाविजय प्रसाद नामक महल बनवाया। यह जैन धर्म का अनुयायी था। इसने ऐरा, महाराज, मेघवाहन, कलिंगाधिपति आदि उपाधियां भी धारण की थीं।

13. राजा खारवेल किस चेदि वंश के महानतम शासक थे?

(a) चोलमंडलम (b) कलिंग

(c) कन्नौज (d) पुरुषपुर

S.S.C.संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तरीय परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

14. कलिंग शासक खारवेल ने संरक्षण दिया—

(a) हिंदू धर्म (वैष्णव धर्म) को (b) शैव धर्म को

(c) बौद्ध धर्म को (d) जैन धर्म को

S.S.C. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तरीय परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

15. सातवाहन का सबसे बड़ा शासक कौन था?

(a) शातकर्णी I (b) गौतमीपुत्र शातकर्णी

(c) सिमुक (d) हाल

S.S.C.संयुक्त स्नातक स्तरीय (Tier-I) परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

गौतमीपुत्र शातकर्णी, सातवाहन वंश का सर्वश्रेष्ठ शासक था। इसकी माता गौतमी बलश्री की नासिक प्रशस्ति तथा पुलुमावी के नासिक गुहालेख से इसकी सैनिक सफलताओं के विषय में सूचना मिलती है। नासिक प्रशस्ति से पता चलता है कि इसके वाहनों ने तीनों समुद्रों (इससे तात्पर्य बंगाल की खाड़ी, अरब सागर तथा हिंद महासागर) का जल पिया था।

16. निम्नलिखित में से विद्या की सबसे पुरानी पीठ कौन-सी है?

(a) तक्षशिला (b) नालंदा

(c) उज्जैन (d) विक्रमशिला

S.S.C. मैट्रिक स्तरीय परीक्षा, 2006

उत्तर—(a)

तक्षशिला विद्या की सबसे पुरानी पीठ है। यह मौर्य युग के पूर्व ही स्थापित था। नालंदा एवं उज्जैन गुप्तकालीन जबकि विक्रमशिला पाल युगीन विद्या केंद्र थे। तक्षशिला नगरी अत्यंत प्राचीन काल में गांधार जनपद की राजधानी थी। इसकी सबसे अधिक ख्याति शैक्षणिक क्षेत्र में मानी जाती है। यह उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र था।